अनुक्रमणिका

		पृष्ठ
1.	अनुक्रमणिका	01
2.	प्राक्कथन	02
3.	पं. सुन्दरलाल शर्मा एक परिचय	03
4.	महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल, PSSOU	04
5.	माननीय कुलपति एक परिचय	05
6.	स्थापना एवं लोकार्पण	06–07
7.	पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त वि.वि. के उद्देश्य	08
8.	विश्वविद्यालय के प्राथमिकतायें एवं उत्तरदायित्व	09
9.	विश्वविद्यालय प्रशासन	10
10.	वार्षिक रिपोर्ट	11–13
11.	कार्यपरिषद	14
12.	दूरस्थ शिक्षा परिषद से सम्बद्धता	15
13.	सफलता के सोपान	16–17
14.	विश्वविद्यालय पुस्तकालय	18
15.	शोध उपाधि समिति बैठक	19–20
16.	अन्य गतिविधियॉ	21–23
17.	विद्यार्थी सहायता एवं विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र	24–29
18.	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठयक्रम	30
19.	नामांकन संख्या	31
20.	अनुदान स्वीकृतियॉ (बैलेंस शीट)	32–40

****

प्राक्कथन

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की स्थापना के दो वर्ष पूरे हो गये है। अपने शैशवकाल से गुजरते हुए यह विश्वविद्यालय विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर है। माननीय मुख्यमंत्री **डॉ. रमन सिंह** जी एवं माननीय **श्री अजय चन्द्राकर जी** (मंत्री, उच्च शिक्षा) एंव माननीय **श्री अमर अग्रवाल जी** (मंत्री, वित्त एवं वाणिज्य) के प्रयासों से इस मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना संभव हो सकी। दूरस्थ शिक्षा का प्रचार–प्रसार इसकी प्राथमिकता है। इस दिशा में यह प्रयत्नशील है। समूचे प्रदेश के विकासखंडों में इसके लगभग 136 अध्ययन केन्द्र अब तक स्थापित किए जा चुके है। स्नातक पाठ्यक्रम बी.ए., बी.एस–सी., बी.काम. तथा एम.ए. एंव बी.पी.पी. (स्नातक स्तर में प्रवेश हेतु प्रारंभिक पाठयक्रम) लोकप्रिय हो रहे है ।

शिक्षा आपके द्वार के बोधवाक्य का अनुसरण करते हुए विश्वविद्यालय ने अपने अध्ययन केन्द्र दूर आदिवासी अंचलों में स्थापित किये है। इस विश्वविद्यालयका उद्देश्य दूरवर्ती शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से युवा वर्ग की बढ़ती आकांक्षाओं की पूर्ति, रोजगारोन्मुखी एवं गुणात्मक उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना है। हमारा प्रयास है कि योग्य एवं अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा तैयार अध्ययन सामग्री भी उन्हे उपलब्ध हो। दूरस्थ शिक्षा पद्वति की इसी कड़ी को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सहायक समन्वयकों को प्रशिक्षित करेन के लिए बिलासपुर स्थित केन्द्र पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा आज एक अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के छात्रों को जमा की गई राशि की प्रतिपूर्ति भी राज्य शासन के आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा की जायेगी।

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र 2006–07 की वार्षिक रिर्पोट प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस रिपोर्ट से मुक्त विश्वविद्यालय की अनेक शैक्षणिक गतिविधियॉ प्रकाश में आएंगी एवं इसके प्रति शिक्षा–जगत का रूझान बढ़ेगा।

डॉ. टी.डी.शर्मा
कुलपति

छत्तीसगढ़ के गांधी

पं. सुन्दरलाल शर्मा जी

जन्मतिथि : 21 दिसंबर, 1881 *पुण्यतिथि : 1940*

संक्षिप्त जीवन परिचय

'' छत्तीसगढ़ के गांधी'' के रूप में विख्यात तथा छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के प्रथम कल्पनाकार पं. सुन्दरलाल शर्मा जी का जन्म विक्रम संवत् 1938 (21 दिसंबर, 1881) को ग्राम–चमसूर, राजिम में हुआ था। राजनीति के साथ–साथ वे सामाजिक कार्यो का भी निर्वाह करते थे। समाज में कुरीतियॉ, छुआछुत तथा जातिप्रथा के वे घोर विरोधी थे। छत्तीसगढ़ के अछूत एवं पिछड़ी जातियों को समाज में उचित स्थान और सम्मान दिलाने के लिये वे जीवन भर संघर्ष करते रहे। स्वतंत्रता आंदोलन के वे वीर सिपाही थे। इनकी स्मृति को चिरस्मरणीय बनाये रखने हेतु छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश के इस प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की है। उनका पौष अमावस्या सन् 1940 को महाप्रयाण हुआ।

परम् आदरणीय कुलाधिपति
महामहिम ले.(सेवानिवृत्त) जनरल के.एम.सेठ
(पी.व्ही.एस.एम.)
राज्यपाल, छत्तीसगढ़

महामहिम के.एम.सेठ का जन्म 19 दिसबंर, 1939 को इलाहाबाद उ.प्र. में हुआ। स्नातक स्टाफ कालेज कैम्बरले यू.के. से, एम.एस–सी. जे.एन.यू. दिल्ली से तथा मद्रास विश्वविद्यालय से एम.बी.ए.(एस.आई.एम.एस.पूना) परीक्षा उत्तीर्ण किया। सेना अधिकारी के रूप में उत्कृष्ट सेवा के लिए पी.वी.एस.एम. एवं ए.वी.एस.एम. मेडल प्रदाय किया गया। 1983 से 1986 तक आपने जिला उखरूल, मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए बिग्रेड कमांडर के रूप में अहम भूमिका निभाई। 1994–95 में नागालैंड में हिंसक गतिविधियों पर नियंत्रण करते हुए नागालैंड में शांति व्यवस्था बहाल करने में अहम भूमिका निभाई। आपने मणिपुर, दक्षिण असम, त्रिपुरा और मिजोरम विद्रोह के नियंत्रण अभियान में उल्लेखनीय जिम्मेदारी का निर्वाह किया। 31 दिसंबर, 1997 को आप सेवानिवृत्त हुए। आपने 22 जून, 2000 को त्रिपुरा राज्य के राज्यपाल का कार्यभार संभाला तथा इस पद से 01 जून, 2003 को मुक्त हुए। राज्यपाल रहते हुये त्रिपुरा में मुख्य विद्रोही संगठन एन.एन.एफ.टी. के साथ शांति वार्ता प्रारंभ करने में व्यावहारिक कार्यप्रणाली कारगार रही। आपने दिनॉक 02 जून, 2003 को छत्तीसगढ़ के द्वितीय राज्यपाल के पद की शपथ ग्रहण की। मातृभाषा हिन्दी के अतिरिक्त अंग्रेजी पर आपका समान अधिकार है। सम्प्रति आप छत्तीसगढ़ राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में विश्वविद्यालयों में गुणवत्ता तथा पारदर्शिता बनाये रखने हेतु कटिबद्व है।

———

माननीय कुलपति, पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय
डॉ. टी.डी.शर्मा

शिक्षा शास्त्री डॉ. टी.डी.शर्मा उन शिक्षाविदों में से है, जिन्होंने गीता के कर्मयोग को मन, वचन और कर्म से अपने जीवन में चरितार्थ किया है। डॉ. शर्मा ने सामाजिक यात्रा की शुरूवात मध्यप्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में दो महाविद्यालयों की स्थापना से प्रारंभ की। छत्तीसगढ़ की पुकार ने इन्हें दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र जशपुर नगर में उच्च शिक्षा की ज्योति प्रज्वलित करने हेतु 1963 से जोड़ दिया। लगातार 21 वर्षों तक शासकीय एन.ई.एस. महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में इस क्षेत्र की सेवा करने के कारण आपकी पहचान आदिवासियों और राष्ट्रीय विकास की मध्यस्थता कराने वाली कड़ी के रूप में की जाती है। अक्टूबर 1984 में शासकीय महाविद्यालय, कवर्धा में प्राचार्य पद पर स्थानान्तरण पश्चात् वहां के प्रथम प्राचार्य के रूप में पदस्थ रहकर महाविद्यालय को स्थायित्व प्रदान किया।

पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर के इसकी स्थापना काल (1964) से ही इनका संबंध रहा। विज्ञान शिक्षण विभाग की स्थापना इन्हीं के अधिष्ठाता, विज्ञान निकाय के कार्यकाल में हुई। रायपुर और बिलासपुर में स्थित विश्वविद्यालयों के विज्ञान निकाय के यह अधिष्ठाता रहे हैं तथा सागर, रायपुर और बिलासपुर में स्थित विश्वविद्यालयों की विभिन्न समितियॉ जैसे कार्य परिषद, कोर्ट, विद्या परिषद आदि के सक्रिय सदस्य रहें है। अखिल भारतीय वन अनुसंधान और शिक्षा परिषद, देहरादून के बोर्ड ऑफ गवनर्स भी रहे है। मं.प्र. काउन्सिल आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी के आठ वर्षों तक समन्वयक भी रहे तथा म.प्र. युवा वैज्ञानिक एंव अखिल भारतीय विज्ञान शिक्षक कान्फ्रेंस का आयोजन भी इनके द्वारा कराया गया है।

म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ के वे एकमात्र प्राचार्य रहे हैं, जिन्होंने 'भारतीय शैक्षणिक प्रशासक' के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत का प्रतिनिधित्व कर वहॉं के विभिन्न विश्वविद्यालयों एंव उच्च शिक्षा केन्द्रों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। कनाडा, नेपाल और श्रीलंका का इन्होने शैक्षणिक भ्रमण किया है। वर्ष 1985 में गुरूघासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के प्रथम अधिष्ठाता, छात्र कल्याण एवं महाविद्यालयीन विकास परिषद में पदस्थ रहकर इन्होने 12 वर्षो तक विश्वविद्यालय की स्थापना एंव विकास में चार कुलपतियों के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी कारण इन्हें गुरूघासीदास विश्वविद्यालय का आधार स्तम्भ भी कहा जाता रहा है। आपने बैगा जनजाति के संपर्क में रहकर शोध कार्य किया है।

शैक्षणिक योग्यता के धनी डॉ. शर्मा द्वारा रचित पुस्तक **'छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थल'** का द्वितीय संस्करण काफी लोकप्रिय और संग्रहणीय है। **'कोरवा जनजाति'** पर भी इनकी इसी नाम से एक पुस्तक शीध्र प्रकाशित होने वाली है।

———

स्थापना एवं लोकार्पण

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की स्थापना छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा किया गया। महामहिम राज्यपाल के द्वारा इस अधिनियम को 20 जनवरी, 2005 को लागू किया गया। इस अधिनियम का प्रकाशन राजपत्र क्रमांक 20 रायपुर, सोमवार दिनॉक 24 जनवरी, 2005 को किया गया।

विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति के रूप में दिनॉक 02 मार्च, 2005 को **डॉ. टी.डी. शर्मा** तथा प्रथम कुलसचिव के रूप मे **डॉ. शरद कुमार वाजपेयी** ने दिनॉक 15 मार्च, 2005 को विश्वविद्यालय मे अपना पदभार ग्रहण किया।

विश्वविद्यालय का विधिवत उद्घाटन पूर्व उप प्रधानमंत्री, भारत शासन तथा नेता प्रतिपक्ष लोकसभा श्री लालकृष्ण आडवाणी के मुख्य आतिथ्य में तथा माननीय डॉ. रमन सिह, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन, श्री अनंत कुमार, लोकसभा सदस्य तथा अन्य गणमान्य अतिथिगण श्री पुन्नूलाल मोहले, सांसद, श्री रमेश बैस, सांसद, श्री बद्रीधर दीवान, विधायक, केबिनेट मंत्री श्री अमर अग्रवाल, श्री अजय चन्द्राकर, श्री ब्रजमोहन अग्रवाल, श्री राजेश मूणत, श्री मेघाराम साहू, श्री केदार कश्यप, श्री हेमचंद यादव, श्री अशोक पिंगले, महापौर, बिलासपुर तथा डॉ. इंदिरा मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

प्रो. जे.एल.गुप्ता, कुलपति, गुरूघासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, डॉ. एस.के. स्थापक, कुलपति, छ.ग. स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई तथा डॉ. एस. जोशी, कुलपति, कुशाभाउ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर सहित बड़ी संख्या में बुद्विजीवी, समाजसेवी इस समारोह में उपस्थित रहे।

श्री आडवाणी का संबोधन :–

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय देश में अपना अलग महत्वपूर्ण स्थान बनायेगा। उन्होने अंग्रेज लेखक एल्विन टॉपल के शब्दों को उद्धृत किया –

" Centre of gravity of the society is fast changing. first of all man dominated the society on his physical strength . Later on economic strength overshadowed and now the education strength dominates. "

उन्होंने कहा जहॉ केन्द्र सक्षम है समाज चहुँमुखी उन्नति कर रहा है। जहॉ–जहॉ सामान्य विश्वविद्यालय अक्षम हैं, वहॉ मुक्त विश्वविद्यालय समाज के सभी वर्गों के विकास में सहायता प्रदान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के विकास का उत्तरदायित्व प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री पर है। इस कार्य को निभाने का उत्तरदायित्व कुलपति डॉ. टी.डी.शर्मा करेंगें।

माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिहं ने कहा कि बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्र के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों पर उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार का दबाब रहेगा। इस विश्वविद्यालय के सभी विकासखंडों तथा ब्लाक मुख्यालय में ग्रंथालय सुविधा तथा पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा परामर्श दिया जावेगा। उन्होनें कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के समय हमने जो स्वप्न देखा था उसे साकार किया जावेगा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस नवगठित विश्वविद्यालय को हर संभव सहायता प्रदान किया जावेगा ताकि इस विश्वविद्यालय के गठन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

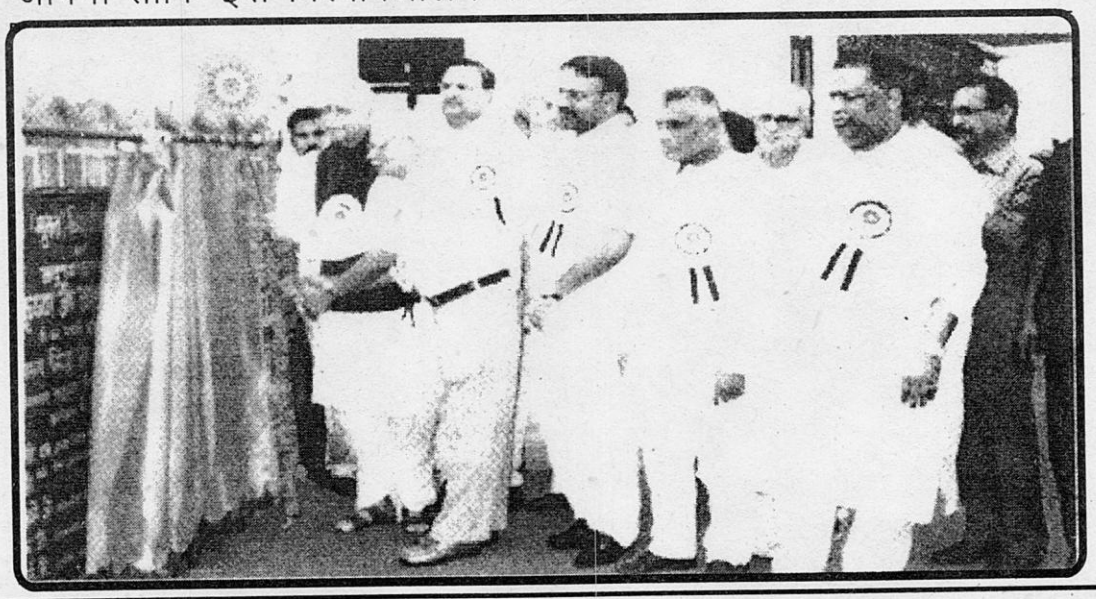

पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ का उद्घाटन एवं शिलान्यास **माननीय श्री लालकृष्ण आडवानी जी** के कर कमलों द्वारा एवं माननीय **डॉ. रमन सिंह**, मुख्यमंत्री छ.ग.शासन की अध्यक्षता में, **श्री अजय चंद्राकर,** मंत्री उच्च शिक्षा, **श्री अमर अग्रवाल**, मंत्री, वित्त एवं वाणिज्य, **श्री पून्नुलाल मोहले**, सांसद बिलासपुर लोकसभा, **श्री बद्रीधर दीवान**, विधायक सीपत एवं **श्री अशोक पिंगले**, महापौर बिलासपुर के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

विश्वविद्यालय के **कुलपति डॉ. टी.डी.शर्मा** शिलाखण्ड के अनावरण में सहयोग प्रदान करते हुए

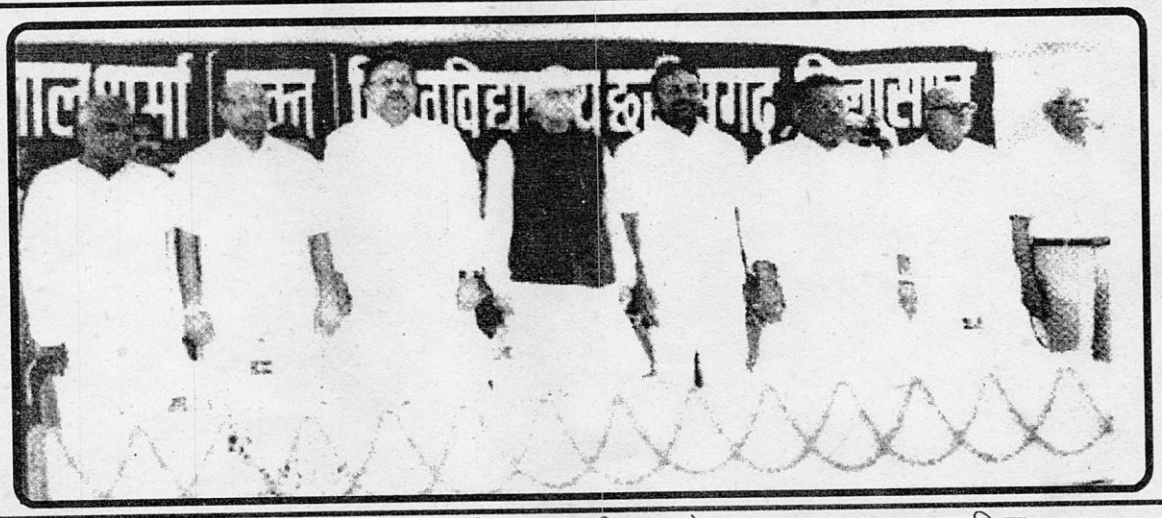

पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित माननीय अतिथिगण राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े हुए

विश्वविद्यालय के उद्देश्य

विश्वविद्यालय का उद्देश्य अधिनियम में निम्नानुसार हैं –

1. विभिन्न माध्यमों के द्वारा जिसमें प्रसारण तकनीक भी सम्मिलित है, शिक्षा तथा ज्ञान का उन्नयन एवं प्रसारण करना।
2. समाज के व्यापक वर्ग को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान कर तथा समाज कल्याण को प्रोत्साहित करना।
3. राज्य के शिक्षा पद्वति में खुला शिक्षा विश्वविद्यालय पद्वति तथा दूरवर्ती शिक्षा पद्वति को बढ़ावा देना।

इसके अतिरिक्त पण्डित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय संकल्पित है–

1. अनौपचारिक, असंस्थात्मक तथा कम लागत पर आधारित शिक्षा उपलब्ध कराएगा।
2. रूढ़िवादी विश्वविद्यालयीन प्रणाली को सरल तथा लचीला बनाने।
3. हर उस व्यक्ति को जो कि किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा पूर्ण न कर सका हो या किसी महाविद्यालय या विश्वविद्यालय से जुड़ न सका हो, उसे और मौका प्रदान करने हेतु।
4. ग्रामीण, कामगार, महिला एवं अन्य शिक्षार्थी समूह के द्वार पर उच्च शिक्षा उपलब्ध किया जाकर प्रजातांत्रिक मूल्यों में वृद्वि करने का प्रयास करेगा।
5. रोजगारोन्मुखी उपयोगी पाठयक्रमों के द्वारा स्थानीय आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम विकसित एवं परिमार्जित कर सर्व संबंधित को उपलब्ध करायेगा।
6. एक ऐसी नवीन प्रणाली की स्थापना करना जो कि लचीली व मुक्त हो सीखने की गतिं तथा स्थान के परिप्रेक्ष के साथ ही विभिन्न पाठयक्रमों को नवीनता के साथ अपनाते हुये सुविधाजनक परीक्षा प्रणाली को प्रोत्साहित करने का प्रयास करेगा।

———

विश्वविद्यालय की प्राथमिकताएँ एवं उत्तरदायित्व

1. बिना भेदभाव के सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराना ।
2. शिक्षा के स्तर को स्थानीय, राष्ट्रीय एवं विश्वस्तरीय बनाना।
3. उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवीनीकरण के आधार पर विकसित हुए रिक्तता को परिपूरित करना।
4. गुणात्मक एवं उन्नत मानव संसाधन का विकास करना।
5. उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लचीलेपन के साथ विविधता एवं गुणात्मकता ज्ञान विकसित करना।
6. उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लोकतंत्रात्मकता के साथ इसे सर्व–सुलभ बनाने का प्रयास करना।
7. दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा के अध्ययन–अध्यापन को नई उचाईयॉ प्रदान करना।
8. अनौपचारिक, असंस्थात्मक, वैकल्पिक शिक्षा के रूप में न्यून लागत आधारित शिक्षा प्रदान करना।
9. सांस्कृतिक असमानताओं तथा सामाजिक असतुलन को समर्थ उच्च शिक्षा अवसरों के माध्यम से कम करना तथा सामाजिक समरसता विकसित करना।
10. समाज के सम–सामयिक मूल्यों का विकास करते हुए गुणात्मक शिक्षा के प्रति प्रतिबद्व होना।

विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय के पदाधिकारी

कुलाधिपति : ले. (सेवानिवृत्त) जनरल के0एम0सेठ
महामहिम राज्यपाल, छत्तीसगढ़

कुलपति : डॉ. टी.डी.शर्मा

कुलसचिव : डॉ. शरद कुमार वाजपेयी

परीक्षा नियंत्रक : डॉ. के.बी.सिंह

सहायक कुलसचिव : श्री एस. के. पाण्डेय

सहा. कुलसचिव : श्री एन.के.अग्रवाल

वार्षिक रिपोर्ट

शैक्षणिक कार्यक्रम :

प्रत्येक पाठ्यक्रम से संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय निर्धारित करता है जिसे क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों एवं सम्बधिंत क्षेत्र के अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से सूचित किया जाता है।

(अ) प्रवेश प्रक्रिया : विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों द्वारा विश्वविद्यालय के प्रवेश विवरणिका के साथ दिये जाने वाले प्रवेश पत्र एवं नामांकन प्रपत्र को भरकर निम्न नियमानुसार जमा किया जाता है –

1. यदि कोई विद्यार्थी/शिक्षार्थी मुक्त विश्वविद्यालय के किसी पाठयक्रम में प्रवेश हेतु इच्छुक है और वह उस पाठयक्रम के लिये निर्धारित न्यूनतम योग्यता से संबंधित अर्हक परीक्षा में सम्मिलित हुआ है, तो वह प्रवेश के लिये आवेदन कर सकता है, परंतु उस विद्यार्थी/शिक्षार्थी को अंतिम प्रवेश के पूर्व निर्धारित न्यूनतम योग्यता का प्रमाण–पत्र करना होगा।
2. मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु आयु सीमा में पूर्णरूपेण शिथिलता बरती जायेगी। केवल न्यूनतम योग्यता के आधार पर किसी भी आयु वर्ग के आवेदक आवेदन कर सकते है।
3. आवेदक को आवेदन–पत्र समीपवर्ती अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय केन्द्र अथवा विश्वविद्यालय मुख्यालय बिलासपुर में समस्त शुल्क सहित व्यक्तिगत रूप से अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से जमा करना होगा।
4. यदि आवेदक पाठयक्रम में प्रवेश से संबंधित न्यूनतम योग्यता का प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं करा पाता है, अथवा आवेदक को प्रवेश हेतु योग्य नही पाया जाता है, तो ऐसी परिस्थिति में आवेदक के शुल्क की वापसी नहीं होगी।
5. अपूर्ण, त्रुटिपूर्ण,गलत जानकारी से संबंधित आवेदन–पत्र आवेदकों को बिना सूचित किये रद्द कर दियें जायेगें, इसलिये आवेदकों को यह सलाह दी जाती है, कि आवेदन–पत्रों के भरने में पूरी तरह सावधानी रखें तथा आवेदन सत्र में दिए निर्देशों का भली प्रकार पालन करें।
6. नियत तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन–पत्रों तथा अपूर्ण, त्रुटिपूर्ण तथा गलत जानकारी वाले आवेदन पत्रों पर न तो विचार किया जावेगा और न ही शुल्क वापस किया जायेगा।

(ब) **पाठयसामग्री का वितरण** : मुक्त विश्वविद्यालय में अध्ययन की व्यवस्था परम्परागत विश्वविद्यालयों से भिन्न है। इस पद्वति की शिक्षा स्वाध्याय पर आधारित हैं। सामान्यतः परम्परागत प्रणाली में अध्यापक से विद्याथियों का सीधा सम्पर्क बनता है और इसी के माध्यम से उसे शिक्षा प्राप्त होती है। दूरवर्ती शिक्षा प्रणाली में शिक्षार्थी को उसके द्वारा चयनित पाठयक्रम की पाठयसामग्री (सैद्वांतिंक एवं प्रायोगिक) अध्ययन केन्द्र से प्राप्त होती है।

(स) **शैक्षिक परामर्शदाता का कार्य** : दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में परामर्शदाता की भूमिका एवं उसका योगदान महत्वपूर्ण होता है। वे न केवल मुक्त विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि ही है, वरन् दूरस्थ शिक्षार्थियों के लिए एक संस्था है। इनका मुख्य कार्य शैक्षिक परामर्श देना व मूल्यांकन करना है।

काउन्सिलिंग का तात्पर्य

शैक्षिक परामर्श या काउन्सिलिंग के अन्तर्गत वे समस्त क्रियाएँ आती हैं, जिनके द्वारा शिक्षार्थियों की समस्याएँ सुलझानें में सहायता की जाती है। सूचना देना, परामर्श व निर्देशन एवं अध्यापन कार्य–शैक्षिक परामर्श कार्यक्रम के तीन चरण है। ये तीनों क्रियाएँ परस्पर संबंधित है। यह शैक्षिक परामर्श केवल एक शिक्षार्थी को भी दिया सकता है और शिक्षार्थियों को सामूहिक रूप से भी।

मूल्यांकन पद्वति :

मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से संचालित समस्त पाठयक्रमों के शिक्षार्थियों का मूल्यांकन निम्नलिखित त्रिस्तरीय मूल्यांकन पद्वति के द्वारा किया जायेगा :–

1. स्व. मूल्यांकन
2. सतत् मूल्यांकन/सत्रीय मूल्यांकन
3. सत्रांत परीक्षा (शैक्षणिक सत्र के अंतिम में आयोजित)

1. **स्व–मूल्यांकन** :– शिक्षार्थी को अपने अध्ययन की गतिशीलता का स्वयं मूल्यांकन करना होगा, जिसे परीक्षा परिणाम में नहीं जोड़ा जायेगा।
2. **सतत् मूल्यांकन/सत्रीय मूल्यांकन** :– शिक्षार्थी को शैक्षणिक कार्यक्रम पूर्ण करने के लिये समय–समय पर सत्रीय कार्यों का उत्तर लिखना अनिवार्य है।प्रत्येक शिक्षार्थी के लिये आवश्यक है कि संत्रात परीक्षा (शैक्षणिक सत्र की अंतिम परीक्षा) में भाग लेने के पूर्व सत्रीय कार्य को समय से पूरा करें। सत्रीय कार्य को पूर्ण करने के पश्चात् ही शिक्षार्थी शैक्षणिक–सत्र की अंतिम परीक्षा में भाग लेने का अधिकारी होगा। सत्रीय–कार्यो

से संबंधित जानकारी अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से प्रदान की जायेगी। सत्रीय–कार्यो का मूल्यांकन विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के द्वारा किया जायेगा। जिन पाठयक्रमों में प्रयोगात्मक/परियोजनात्मक घटक सम्मिलित है उन पाठ्यक्रमों के 40% अंक सत्रीय कार्य एवं प्रयोग/परियोजना प्राप्तांकों से निर्धारित होंगें (20% सत्रीय कार्य +20% प्रयोग/परियोजना कार्य पर आधारित) ऐसे पाठयक्रम जिन पाठयक्रमों में प्रयोग/परियोजना घटक सम्मिलित नहीं है, उन पाठ्यक्रमों के 30% अंक सत्रीय कार्य से निर्धारित होंगें।

3. **संत्रात परीक्षा (शैक्षणिक सत्र के अंतिम में आयोजित)** :– ऐसे विद्यार्थी जिन्होने सत्रीय कार्य को निर्देशानुसार पूर्ण किया है, उन विद्यार्थियों को संत्रात परीक्षा में शामिल होने की पात्रता प्रदान की जायेगी। संत्रात परीक्षा की सूचना एवं केन्द्र विषयक जानकारी शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय के द्वारा परीक्षा के आठ से दस सप्ताह पूर्व प्रदान की जायेगी। सत्रांत परीक्षा में शामिल होना प्रत्येक शिक्षार्थी के लिये अनिवार्य है। सत्रांत परीक्षा में अनुपस्थित शिक्षार्थी केवल सत्रीय कार्य के आधार पर उत्तीर्ण नही माना जायेगा। ऐसे पाठयक्रम जिनमें प्रयोगात्मक/परियोजनात्मक घटक शामिल है, उन पाठयक्रमों के शिक्षार्थियों के परिणाम का 60% अंक संत्रात परीक्षा के द्वारा निर्धारित होगा, जबकि प्रयोगात्मक/परियोजनात्मक विहीन पाठयक्रमों से संबंधित शिक्षार्थियों के परीक्षा–परिणाम के 70% अंक संत्रात परीक्षा के निर्धारित होंगे।

परीक्षा परिणाम :–

विश्वविद्यालय के समस्त पाठयक्रमो में अंक प्रणाली के आधार पर परीक्षा परिणामों की घोषणा की जावेगी। प्रत्येक पाठयक्रम में शिक्षार्थी को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जायेगी।

क्र	श्रेणी	–	प्रतिशत
1.	प्रथम श्रेणी	–	60% अथवा उससे अधिक
2.	द्वितीय श्रेणी	–	48% अथवा अधिक परंतु 60% से कम
3.	तृतीय श्रेणी	–	36% अथवा अधिक परंतु 48% से कम
4.	अनुत्तीर्ण	–	36% से कम

छात्रवृत्ति :–

पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों को शासन के नियमानुसार उनके द्वारा देय फीस की प्रतिपूर्ति की जावेगी।

कार्यपरिषद

छत्तीसगढ़ अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 के द्वारा स्थापित पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की धारा 15 के अर्न्तगत महामहिम कुलाधिपति के अनुमोदन पश्चात् निम्न कार्यपरिषद गठित की गई है

1.	**डॉ. टी.डी. शर्मा,** कुलपति,	**अध्यक्ष**
2.	**कुलपति,** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, इग्नु नई दिल्ली	
	प्रो.एस.सी.गर्ग, समकुलपति, इग्नु, नई दिल्ली	**मनोनीत सदस्य**
3.	**प्रो. स्वराज बसु,** निदेशक दूरस्थ शिक्षा परिषद, नई दिल्ली	**सदस्य**
4.	**श्री विक्रम उसेंडी,** उपाध्यक्ष, बस्तर विकास प्राधिकरण	**सदस्य**
5.	**श्री शिवप्रताप सिंह,** उपाध्यक्ष, सरगुजा विकास प्राधिकरण	**सदस्य**
6.	**सचिव, छ.ग.शासन** सचिव, वित्त, छत्तीसगढ़ शासन	**सदस्य**
7.	सचिव, उच्च शिक्षा, छ.ग. शासन	**सदस्य**
	श्री युगल भारती, अति. संचालक उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर	**मनोनीत सदस्य**
8.	**सचिव, छ.ग.शासन** सचिव, पंचायत एंव ग्रामीण विकास छ.ग. शासन	**सदस्य**
9.	**सचिव,** खेल एंव युवा विकास, छ.ग. शासन, **श्री जी.डी. गुप्ता,** उप सचिव, खेल एंव युवा विकास, छ.ग. शासन,	**सदस्य**
10.	**डॉ.बी.एल. गोयल, प्राचार्य** शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर	**सदस्य**
11.	**महाप्रबंधक, एन.टी.पी.सी.** सीपत परियोजना, बिलासपुर	**सदस्य**
12.	**श्री डी.एस.राजपाल** सेवानिवृत्त आई.जी.पुलिस	**सदस्य**
13.	**डॉ. शरद कुमार वाजपेयी** कुलसचिव,	**सचिव**

दूरस्थ शिक्षा परिषद से सम्बद्धता

दूरस्थ शिक्षा परिषद, नई दिल्ली एक राष्ट्रीय संस्था है जो मुक्त विश्वविद्यालयों को अनुदान प्रदान करती है, उसके कामकाज पर निगरानी रखती है।

दूरस्थ शिक्षा परिषद, नई दिल्ली के मुक्त विश्वविद्यालयों की सूची में पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर देश का ग्यारहवॉ मुक्त विश्वविद्यालय है।

राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों की सूची

1. डॉ. बी.आर.आम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (BRAOU), हैदराबाद, **आंध्रप्रदेश**।
2. वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय (VMOU), कोटा, **राजस्थान**।
3. नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय (NOU), पटना, **बिहार**।
4. यशवंतराव चौहान महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय (YCMOU), नासिक, **महाराष्ट्र**।
5. मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय (MPBOU), भोपाल, **म.प्र.**।
6. डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (BAOU), अहमदाबाद, **गुजरात**।
7. कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (KSOU), मैसूर, **कर्नाटक**।
8. नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय (NSOU), कोलकाता, **पश्चिम बंगाल**।
9. उ.प्र. राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (UPRTOU), इलाहाबाद, **उ.प्र.**।
10. तमिलनाडू मुक्त विश्वविद्यालय (TNOU), चेन्नई, **तमिलनाडू**।
11. पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय (PSSOU), छत्तीसगढ़, **बिलासपुर**।
12. नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय पटना, **बिहार**।
13. कृष्णकांता हांडा मुक्त विश्वविद्यालय दिसपुर, **गुवाहाटी**।

विश्वविद्यालय के सफलता सोपान

विश्वविद्यालय हेतु शासकीय भूमि का चयन एवं आबंटन –

29 मार्च, 2005 को विश्वविद्यालय के उद्घाटन के पश्चात् विश्वविद्यालय के संचालन हेतु भवन की आवश्यकता महसूस की जाने लगी, जहॉ से विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्य संचालित किये जा सके। इस दौरान कुलपति के निज आवास से ही विश्वविद्यालय के कार्य किये जाते रहे। अथक प्रयासों के पश्चात् उद्घाटन स्थल के पास ही बिलासपुर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित नगर निगम, बिलासपुर द्वारा अधिग्रहित भवन, शहीद चन्द्रशेखर आजाद परिसर को किराये पर लिया गया। इस 6080 वर्गफुट के खाली भवन को विश्वविद्यालय के अस्थाई संचालन हेतु आवश्यकतानुसार साज–सज्जा कर तैयार किया गया जहॉ कि वर्तमान में विश्वविद्यालय संचालित है। राज्य शासन द्वारा बिलासपुर–रतनपुर मार्ग पर बिलासपुर से 10 किलोमीटर तथा कोनी से 2 किलोमीटर दूर ग्राम बिरकोना में 70 एकड़ भूमि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक, अकादमिक एवं अन्य निर्माण कार्य हेतु उपलब्ध कराया गया है। इस भूमि पर भवन निर्माण/परिसर विकास हेतु राज्य शासन से अनुदान स्वीकृत हो गया है। प्रथम चरण में प्रशासनिक भवन का निर्माण किया जावेगा।

वि.वि.अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता :

भवन संबंधी कार्य के पश्चात् सर्वप्रथम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त करने हेतु प्रयास प्रारंभ किये गये। सभी आवश्यक दस्तावेज अनुदान आयोग के पास भिजवाये गये साथ ही साथ इस प्रक्रिया को सम्पूर्ण गति प्रदान की गई ताकि छात्रों की मान्यता से संबंधी सारे प्रश्नों के उत्तर व विश्वसनीयता को उचित आधार प्रदान किया जा सके जो कि दूरवर्ती शिक्षा प्रणाली हेतु अति आवश्यक माना जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा किये गये प्रयासों को सफलता मिली तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने अपने पत्र क्रमांक एफ 9–11/2005 (CPP - I) दिनॉक 22 जुलाई, 2005 को पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर को धारा 2 (f) यूजीसी एक्ट 1956 के तहत मान्यता प्रदान की ।

(संलग्न)

23236351, 23232701, 23237721, 23234... 23235733, 23232317, 23236735, 23239437

UGC website-www.ugc.ac.in

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली-110 002
UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
BAHADURSHAH ZAFAR MARG
NEW DELHI-110 002

No. F. 9-11/2005 (CPP-I) July, 2005

Notification

22 JUL 2005

A new university named as Pt. Sundarlal Sharma (Open) University, Bilaspur, Chhatisgarh has been established by Act No. 26 of 2004 of State Government of Chhattisgarh and notified through the State Gazette vide Notification No. 640 21-A Pra. 04 dated 24th January, 2005. The said university has been included in the list of universities maintained by the University Grants Commission under Section- 2 (f) of the UGC Act, 1956.

However, the above university, is not eligible to receive any assistance from University Grants Commission and any other source funded by the Government of India under Section 12 (B) of UGC Act, 1956

Sd/-
(Mrs. Urmil Gulati)
Under Secretary

Copy to:-

1. The Vice-Chancellor, Pt. Sundarlal Sharma (Open) University, Bilaspur, Chhatisgarh
2. The Secretary, Government of India, Ministry of Human Resource Development, (Department of Secondary & Higher Education), Shastri Bhavan, New Delhi-110 001
3. The Secretary, Department of Higher Education, Government of Chhattisgarh, Raipur
4. The Secretary General, Association of Indian Universities, 16 Kotla Marg, New Delhi-110 002.
5. Director, (NAAC) National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Banglaore-560 010.
6. The Director, Medical Council of India, Kotla Road, New Delhi-110 002.
7. The Secretary, Union Public Service Commission, Shahajahan Road, New Delhi-110 001.
8. The Joint Secretary, (SU), UGC, New Delhi.
9. Senior Statistical Officer, UGC, 35, Ferozshah Road, New Delhi-110 001.
10. Publication Officer, (web-site), UGC, New Delhi.
11. Section Officer (Meeting Section), UGC, New Delhi
12. All Regional Offices, UGC.
13. All Section of the UGC, New Delhi.
14. D.T.P. Cell, UGC, New Delhi.
15. Guard file.
16. F. 9-4/2004 (CPP-I).

(Mrs. Urmil Gulati)
Under Secretary

119
7
2905

विश्वविद्यालय पुस्तकालय

विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् पुस्तकालय की स्थापना एवं उसे सुसज्जित करने की दिशा में महत्तवपूर्ण कदम उठायें गये। इस पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य छात्रों के समक्ष अध्ययन में आने वाली समस्याओं का निदान करना तथा विभिन्न पाठयक्रमों की स्तरीय पुस्तके एवं जर्नल्स उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में वर्तमान में कला, विज्ञान, कम्प्यूटर सहित शिक्षा विभाग की उपयोगी पुस्तके उपलब्ध है। सत्र 2005–06 हेतु दूरस्थ शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त राशि से उच्च मानकीय पुस्तकों का क्रय करके दूरस्थ शिक्षार्थियों को प्रत्येक संभव सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। पुस्तकालय का कम्प्यूटीकरण कर आवश्यक बुक शेल्फ व फर्नीचर की व्यवस्था की गई है।

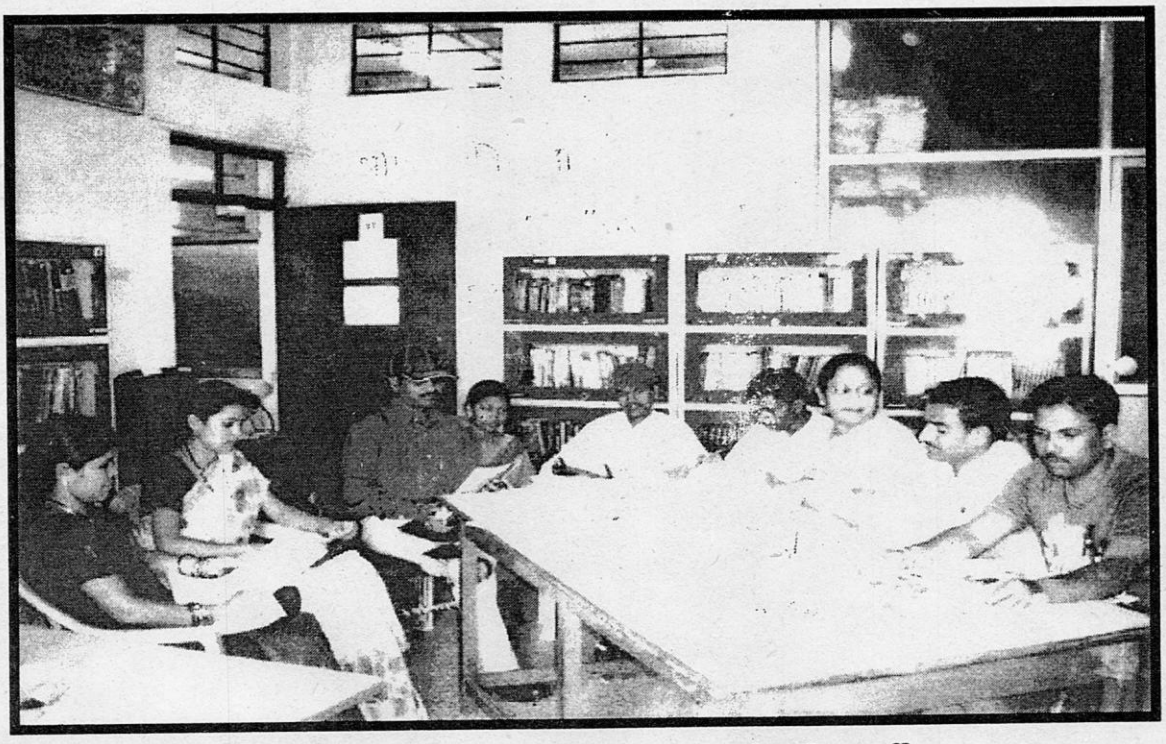

विश्वविद्यालय पुस्तकालय में अध्ययनरत् शिक्षार्थी

शोध उपाधि समिति
(भारतीय दर्शन, ज्योतिष एवं योगविज्ञान)

(1) डॉ. टी.डी.शर्मा, – **अध्यक्ष**
कुलपति, पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर

(2) डॉ. त्रिलोक चंद – **विषय विशेषज्ञ (योग)**
विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तरांचल

(3) डॉ. प्रभात कुमार महापात्र – **विषय विशेषज्ञ**
विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, सदा शिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ कैम्पस, राष्ट्रीय सांस्कृत विश्वविद्यालय पुरी उड़ीसा

(4) डॉ. के.बी.सिंह – **सदस्य**
परीक्षा नियंत्रक, पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर

(5) डॉ. ओमनारायण तिवारी – **सदस्य**
कार्यक्रम समन्वयक, पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर

शोध उपाधि समिति की बैठक

पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर की भारतीय दर्शन, ज्योतिष एवं योगविज्ञान विषय की शोध उपाधि समिति की प्रथम बैठक दिनॉक 06.02.2007 को कुलपति कक्ष में आहूत की गई। कुलपति डॉ. टी.डी.शर्मा ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। शोध उपाधि समिति ने शोधकर्त्ता कु. दीक्षा ठाकुर के "त्राटक क्रिया का बुद्वि एवं स्मृति पर प्रभाव" एक अध्ययन, श्रीमति मीना सिंह भदौरिया के "तनाव प्रबंधन में गीताओं की भूमिका", श्री सिद्वेश्वर पाटनवार के "अप्रवासी भारतीयों का योग शिक्षा एवं योग चिकित्सा में सार्वदैशिक योगदान–एक सांदर्भिक अध्ययन (शिकागो सम्मेलन ई. 1893 से ई. 2000 तक) तथा श्री दीपक शर्मा के " विवाह के योगों का ज्योतिष शास्त्रीय अध्ययन भारतीय संदर्भ में" शीर्षकों पर विचार किया गया। कुलपति ने सभी शोधार्धियों के उक्त शीर्षक पर पंजीयन किए जाने संबंधी आदेश दिया।

... 00 ..

शोध उपाधि समिति
(संस्कृत)

(1) **डॉ. टी.डी.शर्मा,** – **अध्यक्ष**
कुलपति, पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर

(2) **डॉ. पुष्पा दीक्षित** – **विषय विशेषज्ञ**
सेवानिवृत्त प्राध्यापक, शास. कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर

(3) **डॉ. बी.एन.उपाध्याय** – **विषय विशेषज्ञ**
प्राध्यापक, संस्कृत, शास. एन.ई.एस.महा0 जशपुरनगर, छत्तीसगढ़

(4) **डॉ. के.बी.सिंह** – **सदस्य**
परीक्षा नियंत्रक, पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर

शोध उपाधि समिति की बैठक

पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर की संस्कृत विषय की शोध उपाधि समिति की प्रथम बैठक दिनॉक 09.11.2006 को कुलपति कक्ष में आहूत की गई। कुलपति डॉ. टी.डी.शर्मा ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। शोध उपाधि समिति ने शोधकर्त्ता श्री बसंत कुमार डहरे के ''संस्कृत साहित्य इतिहास में सत्य नाम धर्म का दार्शनिक अनुशीलन (संत शिरोमणी गुरूघासीदास के संदर्भ में), श्रीमती प्रतिभा पानीग्राही के ''रामायण–महाभारत कालीन दण्डकारण्य का सांस्कृतिक अनुशीलन'', कु. अनिता कश्यप के ''संस्कृत नाटय परम्परा में ''मुरिया नाट्य'' का सामाजिक एवं सास्कृतिक अनुशीलन, श्री सुरेन्द्र कुमार नेता के '' उत्तर वैदिक साहित्य में गोंडवाना समाज का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अनुशीलन, श्रीमती आशा तिवारी के ''नाटय वेद में पुरूषार्थ की अवधारणा'', श्री किशोर कुमार यादव के ''कालीदास' के ग्रंथ तथा प्रमुख पात्रों का चारित्रिक अध्ययन'' तथा श्री कटला वेकटेश्वर राव के ''संस्कृत कथा साहित्य तथा बस्तर लोक कथाओं का दार्शनिक अनुशीलन'' शीर्षकों पर विचार किया गया। कुलपति ने शोधार्धियों में से श्री बसंत कुमार डहरे, श्रीमती प्रतिभा पानीग्रही, कु. अनिता कश्यप तथा श्री सुरेन्द्र कुमार नेता के उक्त शीर्षकों को मान्य करते हुये पंजीयन किए जाने संबंधी आदेश दिया गया तथा श्रीमती आशा तिवारी, श्री किशोर कुमार यादव एवं श्री कटला वेंकटेश्वर राव के शोध शीर्षक में संशोधन करने के आदेश दिऐ। विश्वविद्यालय से डॉ. श्रीमती अनिता पाण्डेय, सहायक कार्यक्रम समन्वयक उपस्थित रही।

पं. सुन्दरलाल शर्मा जी का जन्म दिवस मनाया गया

''**छत्तीसगढ़ के गांधी**'' के रूप में विख्यात तथा छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के प्रथम कल्पनाकार पं. सुन्दरलाल शर्मा जी का 126 जन्म दिवस 21 दिसम्बर, 2006 को विश्वविद्यालय के सभागार में मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. टी.डी.शर्मा ने कहा कि पं. सुन्दरलाल शर्मा इस क्षेत्र में समानता, सामाजिक–न्याय, अहिंसा का शंखनाद करने वाले स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम पंक्ति के सैनिक थे। उनके द्वारा दिया गया नारा **'सत्य से मत डिगो, चाहे जियो या मरो'** बाद में यही नारा गांधी का 'करो या मरो' बना। कुलपति महोदय ने उनके द्वारा बताये गये सत्य एवं

इस अवसर पर विश्वविद्यालयीन अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा बिरकोना स्थित विश्वविद्यालय को आबंटित भूमि पर वृक्षारोपण किया

स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। 15 अगस्त, 2006 को कुलपति डॉ. टी.डी.शर्मा ने विश्वविद्यालय भवन में झण्डारोहण किया। इस अवसर पर उन्होने विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को सम्बोधित करते हुये कहा कि इस नवस्थापित विश्वविद्यालय में सभी अधिकारियो, कर्मचारियों को पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से सौपें गये कार्यो का निर्वहन करना है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. शरद कुमार वाजपेयी, सहायक कुलसचिव डॉ. बी.व्ही.रमणाराव तथा अन्य सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

अन्य गतिविधियॉ

राज्योत्सव 2007 में भागीदारी

रायपुर में आयोजित पंचम छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण राज्योत्सव समारोह रायपुर में सम्पन्न हुआ, जिसमें पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी भागीदारी निभाई। इस समारोह में विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका, पाठयक्रम संबंधी जानकारी तथा विद्यार्थियों से संबंधित समस्याओं का निदान किया गया। प्रदर्शनी में माननीय मुख्यमंत्री जी तथा अन्य मंत्रीयों व अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम में सहायक कुलसचिव श्री एन.के.अग्रवाल, कार्यक्रम समन्वयक श्री धमेन्द्र पंकज शर्मा सहित श्री विनोद वर्मा, श्री लखन कश्यप का सराहनीय योगदान रहा।

विश्वविद्यालय के वनौषधि उद्यान में सौर पंप स्थापित

विश्वविद्यालय को अक्षय उर्जा विकास प्राधिकरण (क्रेडा) के सहयोंग से वनौषधि उद्यान एवं रोपणी के लिये 'सौर उर्जा पम्प' 2.5 हार्स पावर का प्रदाय किया गया, इससे वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर में किये जा रहे नर्सरी स्थापना एवं वृक्षारोपण सहित औषधीय तथा फलदार वृक्षों को जल आपूर्ति जैसे कार्य संपन्न कराये जा रहे है।

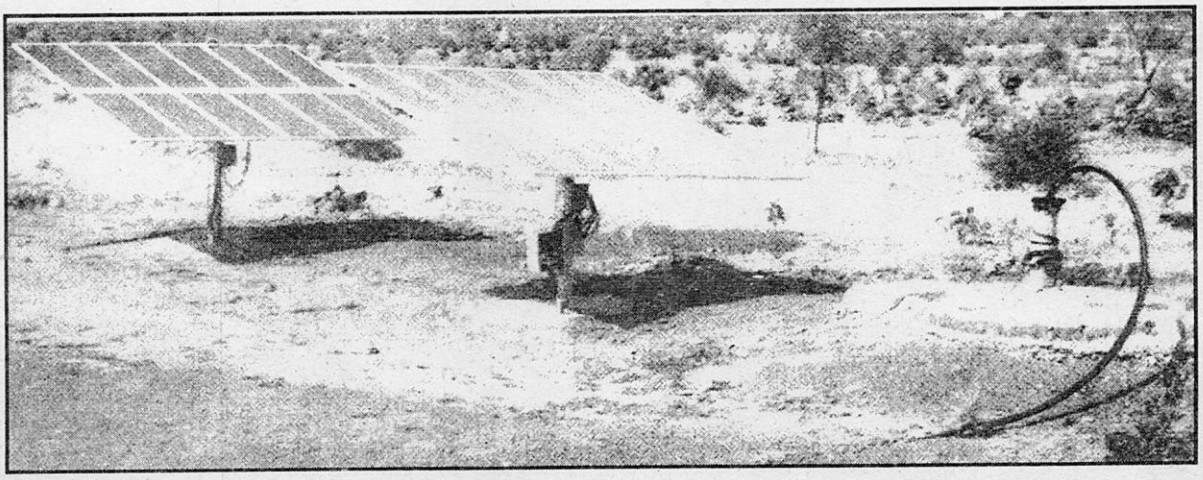

राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं पोस्टर प्रदर्शनी " हरित–हर्बल, स्वस्थ छत्तीसगढ़"

पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के आयोजन में छत्तीसगढ़ राज्य वनौषधि बोर्ड, रायपुर के सहयोग से " हरित–हर्बल, स्वस्थ छत्तीसगढ़" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का रायपुर में आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन् समारोह दिनॉक 30 अक्टूबर, 2006 को डॉ. डी.एन.तिवारी, उपाध्यक्ष, छ.ग. राज्य योजना मंडल, रायपुर के मुख्य आतिथ्य में तथा कुलपति डॉ. टी.डी.शर्मा, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वामी सुखदेवानंद जी महाराज की गरिमामय उपस्थिति में , श्री आर.एन.मिश्रा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, छत्तीसगढ़ शासन, श्री ए.के.सिंह, प्रबंध संचालक, छ.ग. लघु वनोपज संघ की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस संगोष्ठी का उद्देश्य वनौषधि विविधता, वर्गीकरण, संरक्षण, संवर्धन एवं आलेखन के साथ–साथ औषधीय पौधों की नवीन कृषि तकनीक, रोग एवं कीट प्रबंधन वैधानिक एवं संरक्षण उपाय, उत्पादनेत्तर प्रबंधन एवं विभिन्न विभागो की कृषि उन्नयन में भूमिका रही। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों, शोध संस्थाओं, महाविद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं के वैज्ञानिकों सहित शोधीर्थी, बैगा, कृषक एवं छात्र–छात्राओ ने अपने शोध–पत्र प्रस्तुत किये। संगोष्ठी में पोस्टर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। आयोजन सचिव के रूप में श्री के.सी.यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छ.ग. राज्य वनौषधि बोर्ड, रायपुर तथा डॉ. शरद कुमार वाजपेयी थे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री बद्रीधर दीवान, उपाध्यक्ष छ.ग. विधानसभा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के क्रियान्वयन में विश्वविद्यालय के वनौषधि विभाग के द्वय डॉ. भावना दीक्षित एवं श्री नीरज तिवारी कार्यक्रम समन्वयकों का महत्तवपूर्ण योगदान रहा।

उद्घाटन अवसर पर उपस्थित अतिथिगण दायें से श्री के.सी.यादव, स्वामी श्री सुखदेवानंद जी, डॉ. डी.एन. तिवारी, डॉ. टी.डी.शर्मा, श्री ए.के.सिंह, श्री शरद कुमार वाजपेयी। इन्सेट में मान. श्री बद्रीधर दीवान जी।

विद्यार्थी सहायता सेवा एवं विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र

विश्वविद्यालय की स्थापना पश्चात् प्रदेश के सुदूर स्थानों में "शिक्षा आपके द्वार" के सिद्वांत पर उच्च शिक्षा से वंचित छात्र–छात्राओं को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रवेश, नामांकन एवं परीक्षा सहित अन्य सभी कार्यो के लिये प्रदेश के सभी ब्लाक मुख्यालयों में अध्ययन केन्द्र स्थापित किये गये, इन अध्ययन केन्द्रो के माध्यम से सत्र 2006–07 में लगभग 10 हजार छात्र–छात्रायें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठयक्रमों में प्रवेश लिये। प्रदेश में म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय के इस विश्वविद्यालय में हस्तांतरण एवं उनके संचालित अध्ययन केन्द्रो के बंद होने से विश्वविद्यालय का उत्तरदायित्व बढ़ गया।

इस सत्र में विश्वविद्यालय के चारो क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रो बिलासपुर, रायपुर, अंबिकापुर एवं जगदलपुर के सभी 16 जिला मुख्यालयों के अंतर्गत 144 अध्ययन केन्द्र संचालित है।

क्रं.	क्षेत्रीय केन्द्र	जिला अध्ययन केन्द	संचालित अध्ययन केन्द्रों के नाम
1	बिलासपुर	1. बिलासपुर	राम्हेपुर
2			लखराम
3			पथरिया
4			सीपत
5			मस्तूरी
6			पाली
7			मरवाही
8			लोरमी
9			तखतपुर
10			सरगांव
11			पेन्ड्रा
12			जरहागांव
13			मुर्गेली
14			रतनपुर
15			गनियारी
16			कोटा
17			बिरकोना
18			चकरभाठा
19			दशरंगपुर

क्रं.	बिलासपुर	जिला अध्ययन केन्द	संचालित अध्ययन केन्द्रों के नाम
20		2. जॉजगीर–चांपा	मालखरौदा
21			सक्ती
22			जैजैपुर
23			बाराद्वार
24			जॉजगीर
25			चांपा
26			नवागढ़
27			अकलतरा
28			शिवरीनारायण
29			पामगढ़
30			बम्हनीडीह
31			डभरा
32			सारागांव
33			बलौदा
34	बिलासपुर	3. रायगढ़	सारंगढ़
35			लैलुंगा
36			छाल
37			पुसौर
38			बरमकेला
39			चन्द्रपुर
40			खरसिया
41			रायगढ़
42			धरमजयगढ़
43			तमनार
44			नंदेली
45			कोंडातराई
46			घरघोड़ा
47		4. कोरबा	कोरबा
48			करतला
49			बरपाली
50			जमनीपाली

क्रं.			संचालित अध्ययन केन्द्रों के नाम
51			पोड़ी उपरोड़ा
52			कोरबी
53			कटघोरा
54		5. कबीरधाम	पंडरिया
55			पांडातराई
56			बोड़ला
57			कुंडा
58			कवर्धा
59			सहसपुर लोहारा
60			कुकदुर
61	रायपुर	1. राजनांदगावं	मोहला
62			डोंगरगढ़
63			चौकी
64			खैरागढ़
65			डोंगरगांव
66			छुईखदान
67			राजनांदगावं
68			मानपुर
69	रायपुर	2. महासमुंद	बसना
70			सरायपाली
71			महासमुंद
72			राजिम
73		3. रायपुर	बलौदा बाजार
74			सिमगा
75			अभनपुर
76			गरियाबंद
77			आरंग
78			कसडोल
79			रायपुर
80			भटापारा

क्रं.		जिला अध्ययन केन्द	संचालित अध्ययन केन्द्रों के नाम
81		4. दुर्ग	दुर्ग
82			बेरला
83			देवकर
84			थान खम्हरिया
85			साजा
86			गुडरदेही
87			मारो (संबंलपुर)
88			बेमेतरा
89			बोरी
90			पाटन
91		5. धमतरी	मेघा (मगरलोड)
92			सिहावा (नगरी)
93			कुरूद
94			धमतरी
95	जगदलपुर	1. बस्तर	भानपुरी
96			लोहंडीगुड़ा
97			तोकापाल
98			बकाबंड
99			बस्तानार
100			फरसगांव
101			जगदलपुर
102			कोंडगावं
103			ओरछा
104			बड़ेराजपुर
105	जगदलपुर		केसकाल
106			माकड़ी
107			दरभा
108		2. दंतेवाड़ा	दंतेवाड़ा
109			कटेकल्याण
110			कोन्टा
111			उसूर

क्रं.			संचालित अध्ययन केन्द्रों के नाम
112			छिन्दगढ़
113			गीदम
114			बचेली
115		3. कांकेर	कांकेर
116			चरामा
117			अंतागढ़
118			बान्दे
119	अंबिकापुर	1. सरगुजा	बतौली
120			वाडफनगर
121			प्रतापपुर
122			सीतापुर
123			भैयाथान
124			बलरामपुर
125			ओड़गी
126			राजपुर
127			रामानुज गंज
128			उदयपुर
129			लुण्डा
130			शंकरगढ़
131			भटगांव
132			अंबिकापुर
133		2. जशपुर	कुनकुरी
134			जशपुर नगर
135			पत्थलगांव
136			कांसाबेल
137			बगीचा
138			फरसाबहार (तपकरा)
139			मनोरा
140			दुलदुला

क्रं.	क्षेत्रीय केन्द्र	जिला अध्ययन केन्द	संचालित अध्ययन केन्द्रों के नाम
141	अंबिकापुर	3. कोरिया	बैकुठपुर
142			सोनहत
143			मनेन्द्रगढ़
144			जनकपुर

--- 00 ----

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2006 में आयोजित परीक्षाएँ एवं परीक्षाफल

विश्वविद्यालय की स्थापना पश्चात् पहले ही वर्ष में प्रवेशित छात्र–छात्राओं का विश्वविद्यालय द्वारा सत्रांत परीक्षा आयोजित की गई, परीक्षा विभाग द्वारा पाठयक्रम के अनुसार परीक्षा आरंभ करने की तिथि से परीक्षा परिणाम घोषित करने संबधी जानकारी निम्नानुसार है –

क्रं.	पाठयक्रम	परीक्षा तिथि	परीक्षा परिणाम तिथि	कुल पंजीकृत परीक्षार्थी	उत्तीर्ण परीक्षार्थी
1	बी.पी.पी.	24.09.2006	09.11.2006	1415	684
2	बी.ए. प्रथम वर्ष	23.11.2006	17.03.2007	1289	966
3	बी.काम. प्रथम वर्ष	23.11.2006	22.03.2007	51	22
4	बी.एससी बायो प्रथम	23.11.2006	22.03.2007	279	117
5	बी.एससी. गणित प्रथम	23.11.2006	22.03.2007	87	43
6	एम.ए. पूर्व इतिहास	23.11.2006	08.03.2007	13	09
7	एम.ए. पूर्व राजनीति	23.11.2006	08.03.2007	45	36
8	एम.ए. अर्थशास्त्र	23.11.2006	08.03.2007	22	15
9	डी.सी.ए.	23.11.2006	22.03.2007	59	11
10	पीजीडीसीए	23.11.2006	22.03.2007	47	12

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

(i). **स्नातक पाठयक्रम –**

1.	बी.ए. (वैकल्पिक)	–	राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, अर्थशास्त्र, मानव विज्ञान।
2.	बी.काम	–	वाणिज्य
3.	बी.एस–सी.	–	जीवविज्ञान एवं गणित समूह
4.	बी.लिब	–	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान
5.	बी.सी.ए.	–	कम्प्यूटर एप्लीकेशन

(ii). **स्नातकोत्तर पाठयक्रम –**

1.	एम.ए.	–	राजनीति शास्त्र, अंग्रेजी साहित्य, समाजशास्त्र, हिन्दी साहित्य, संस्कृत, अर्थशास्त्र, इतिहास, मानवविज्ञान,
2.	एम.एस–सी.	–	गणित।

(iii). **रिसर्च पाठयक्रम –**

पी.एच–डी. कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय में ।

(iv). **बी.एड. –**

शिक्षक प्रशिक्षण में द्विवर्षीय स्नातक पाठयक्रम।

(v). **डिप्लोमा / सर्टिफिकेट पाठयक्रम –**

a. कम्प्यूटर में पी.जी. डिप्लोमा (पीजीडीसीए)
b. कम्प्यूटर एप्लीकेशन

रोजगारोन्मुखी पाठयक्रम –

a. आयुर्वेद प्रबोध
b. योग विज्ञान
c. ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र
d. फैशन डिजायनिंग
e. इन्टीरियर डेकोरेशन / फाईन आर्ट
f. वनौषधि

(vii). **उपयोगी पाठयक्रम :**

स्नातक स्तर का प्रारंभिक पाठयक्रम (B.P.P.)
स्नातक में प्रवेश हेतु सेतु पाठयक्रम

विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में नामांकन संख्या
सत्र 2006-07

क्रमांक	विषय	नामांकित छात्र
01	बी.एस–सी. बायो	1212
02	बी.एस–सी. गणित	384
03	बी.ए.	4196
04	बी.काम.	159
05	एम.ए. (हिन्दी, इतिहास,अंग्रेजी, राजनीति,समाजशास्त्र, लोकप्रशासन, गणित)	720
06	एम.एस–सी.(गणित)	350
07	बी.लिब.	17
08	बी.सी.ए.	4
09	पीजीडीसीए	113
10.	कम्प्यूटर एप्लीकेशन	54
11.	आयुर्वेद प्रबोध	32
12.	योग विज्ञान	07
13.	ज्योतिष एव वास्तुशास्त्र	13
14.	बी.पी.पी.	3335
15.	फैशन डिजायनिंग	14
16.	इन्टीरियर डेकोरेशन	08
17.	वनौषधि	85
18.	मानव संसाधन प्रबंधन में डिप्लोमा	13
19.	पी.जी.डी.आर.डी.	26
	योग	**10742**

वित्तीय प्राप्तियॉ / स्वीकृतियॉ

(1) **दूरस्थ शिक्षा परिषद से प्राप्त अनुदान** :

दूरस्थ शिक्षा परिषद से विश्वविद्यालय की स्थापना पश्चात् प्रथम अनुदान प्राप्त हुआ।

सत्र 2006–07 हेतु वित्तीय प्राप्तियॉ

1.	विकास अनुदान	–	पंच वर्षीय
	विकास अनुदान	–	रूपये 2:00 करोड़ (रूपये दो करोड़ मात्र)
2.	अनुदान	–	पंच वर्षीय
		–	रूपये 04.00 (रू. चार लाख मात्र)
3.	अनुदान	–	रूपये 95 लाख अतिरिक्त अनुदान

(2) **राज्य शासन द्वारा स्वीकृत / आबंटित अनुदान – (सत्र 2006–07)**

क्र.	मद	स्वीकृत राशि	आंबंटित राशि
1	विकास मद	60 लाख	रूपये 30,00,000
2	अधोसरंचना	02 करोड़	रूपये 1,50,80,000.00

(3) **अन्य आय** (सत्र 2006–07)

3.1	विवरणिका बिक्री	–	5,52,104 रूपये
3.2	प्रवेश फीस	–	
	बी.पी.पी.	–	रूपये 44,04,925
	अन्य पाठयक्रम फीस	–	रूपये 1,75,55,801
	बैंक ब्याज	–	रूपये 2,02,528.38
	छात्रवृत्ति	–	रूपये 4,17,780
	अन्य	–	रूपये 10
		योग –	रूपये 2,31,33,148

Pt. SUNDAR LAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY
CHATTISGARH
(DISTANT EDUCATION COUNCIL GRANT ACCOUNT)
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR YEAR ENDING ON 31.03.2007

Particulers	Amount	Particulers	Amount
To Consultancy Charges	125836.00	By Grant in Aid received from	
To Library & Studey Material Exp.	8796132.00		
To Counselling Charges	336593.00		
To Miscileneous Exp.	28664.00	Distant Education Council	29900000.00
To Travelling & Conveyance Exp.	108548.00		
To Meeting Exp.	114230.00		
To Computer Stationary	51026.00		
To Delegation	6300.00		
To Exam. Exp.	1029231.00		
To Printing & Stationary Exp.	121550.00		
To Registration Fee	9000.00		
To Repair & Maint. Exp.	6000.00		
To Transporting Exp.	110600.00		
To Web Spece	3500.00		
To Workshop Exp.	346473.00		
To Refund unassignment Grant	47186.00		
To Depreciation on	0.00		
Card Printing Machine	13311.00		
Computer	235114.00		
Furniture & Fixiture	62065.00		
Moter Car	118139.00		
DRY System	145800		
LCD Projector	25575.00		
Stitching Machine	788.00		
To excess of Income over Expenditure	18058339.00		
Total	29900000.00	Total	29900000.00

Place: Bilaspur
Date:

The above statement is in agreement with the Books and vouchers presented before us.

for Pt. Sundar Lal Sharma (open) University

(Registrar)

Registrar
Pandit Sunderlal Sharma
(Open) University Chhattisgarh
BILASPUR(C.G.)

for L. K. Maheshwari & Co.
Chartered Accountants

(Ramendra Maheshwari)
Partner

Pt. SUNDAR LAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHATTISGARH

(DISTANT EDUCATION COUNCIL GRANT ACCOUNT)

BALANCE-SHEET AS AT 31 ST MARCH 2007

FUNDS/LIABILITIES	Amount	ASSETS	Amount
Capital fund	3284711.00	Fixed Assets (As per Annexure)	1828041.00
Excess of Income over Expenses durring the as per income & Expennditure A/c.	18058339.00	**Cash & Bank Balance**	
		Canara Bank	19515009.00
	21343050.00		**21343050.00**

Place: Bilaspur
Date:

The above statement is in agreement with the Books and vouchers presented before us.

for Pt. Sundar Lal Sharma (open) University

(Registrar)

Registrar
Pandit Sunderlal Sharma
(Open) University Chhattisgarh
BILASPUR(C.G.)

for L. K. Maheshwari & Co.
Chartered Accountants

(Ramendra Maheshwari)
Partner

NOTE: 1) BANK BALANCES ARE THE BALANCING FIGURES AS THE UNIVERSITY HAS NOT KEPT SEPARATE BANK ACCOUNTS FOR SEPARATE SOURCES OF GRANTS AND FEES.
2) BANK ACCOUNT ARE SUBJECT TO RECONCILIATION

Pt. SUNDER LAL SHARMA (OPEN) UNIVERCITY
(DISTANT EDUCATION COUNCIL) Bilaspur (C.G.)

Depreciation Schedule for the year ending on 31st March 2007

Particulars	Rate of Depr.	Op.Balance	Purches Durring the year	Total	Depreciation	Written down Value
1 Card Printing Machine	15%	81328.00	14820.00	96148.00	13311.00	82837.00
2 Computer	60%	371976.00	39762.00	411738.00	235114.00	176624.00
3 Furniture & Fixiture	10%	116860.00	844329.00	961189.00	62065.00	899124.00
4 Moter Car	15%	329608.00	457987.00	787595.00	118139.00	669456.00
5 DRY System	15%	0.00	972000.00	972000.00	145800.00	826200.00
6 LCD Projector	15%	0.00	170500.00	170500.00	25575.00	144925.00
7 Stitching Machine	15%	0.00	10500.00	10500.00	788.00	9712.00
		899772.00	**2509898.00**	**2256670.00**	**600792.00**	**1828041.00**

Place: Bilaspur
Date:

The above statement is in agreement with the Books and vouchers presented before us.

for Pt. Sundar Lal Sharma (open) University

(Registrar)

Registrar
Pandit Sunderlal Sharma
(Open) University Chhattisgarh
BILASPUR(C.G.)

for L. K. Maheshwari & Co.
Chartered Accountants

(Ramendra Maheshwari)
Partner

Pt. SUNDAR LAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY
CHATTISGARH
(UNIVERSITY FEE ACCOUNT)
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR YEAR ENDING ON 31.03.2007

Particulers	Amount	Particulers	Amount
To Honorarium Exp.	6940909.00	By Admission Fee	15512686.00
To Bank Charges	33150.00	By Ayurved Prabodh Fees Rec.	191500.00
To Fee Refunded	55750.00	By Bed Fees Rec.	738615.00
		By Blib Fees Rec.	62400.00
		By BPP Course	4404925.00
		By Diploma Edu, Course	7000.00
		By Exam Fees Rec.	15800.00
		By Fashion Desining Fees Rec.	108650.00
		By Herbal Medicine Fees Rec.	536750.00
		By Herbal Medicine Fees Reg.Rec	3200.00
		By Human Resources Manag. Fee	30600.00
		By Inertest Rec. from Bank	202528.38
		By Interior Decoration Fees	45500.00
		By Jyotish And Vastu Fees Rec.	32950.00
		By PHD Fees Rec.	154650.00
		By Prospectus Fees	552104
		By Misc. Rec.	10.00
		By Rural Development Fees.	62100.00
To excess of Income over		By Scholership Fees.	417780.00
Expenditure	16103339.38	By Yoga Science Fees.	53400.00
Total	**23133148.38**	**Total**	**23133148.38**

0.00

Place: Bilaspur
Date:

The above statement is in agreement with the Books and vouchers presented before us.

for Pt. Sundar Lal Sharma (open) University

(Registrar)

Registrar
Pandit Sunderlal Sharma
(Open) University Chhattisgarh
BILASPUR(C.G.)

for L. K. Maheshwari & Co.
Chartered Accountants

(Ramendra Maheshwari)
Partner

Pt. SUNDAR LAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY
CHATTISGARH
(UNIVERSITY FEE ACCOUNT)
BALANCE-SHEET AS AT 31 ST MARCH 2007

FUNDS/LIABILITIES	Amount	ASSETS	Amount
Capital fund	7533309.00	Fixed Assets (As per Annexure)	
Excess of Income over Expenses durring the as per income & Expennditure A/c.	16103339.38	Cash & Bank Balance	
		Bilaspur Raipur Gramin Bank	500.00
		SBI (Comm. Branch)	10135559.38
		Allahabad Bank	6764284.00
		Allahabad Bank Current A/c.	5200.00
		Canara Bank	6731105.00
	23636648.38		23636648.38

Place: Bilaspur
Date:

The above statement is in agreement with the Books and vouchers presented before us.

for Pt. Sundar Lal Sharma (open) University

(Registrar)

Registrar
Pandit Sunderlal Sharma
(Open) University Chhattisgarh
BILASPUR(C.G.)

for L. K. Maheshwari & Co.
Chartered Accountants

(Ramendra Maheshwari)
Partner

NOTE: 1) BANK BALANCES ARE THE BALANCING FIGURES AS THE UNIVERSITY HAS NOT KEPT SEPARATE BANK ACCOUNTS FOR SEPARATE SOURCES OF GRANTS AND FEES.
2) BANK ACCOUNT ARE SUBJECT TO RECONCILIATION

Pt. SUNDAR LAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY
CHATTISGARH
(GOVERNMENT OF CHATTISGARH GRANT ACCOUNT)
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR YEAR ENDING ON 31.03.2007

Particulers	Amount	Particulers	Amount
To Advertisement Exp.	78748.00	By Grant in Aid received from	
To Affiliation Fees			
To Campus development Exp.	552231.00	Government of Chhattisgarh	3000000.00
To Consultancy Charges	4866.00	Forest Department	300000.00
To Conveyance Exp.	34474.00		
To Computer Stationary	89881,00	Excess of Expenses over	
To Counselling	5000.00	Income	4390501.00
To Eletrical Exp.	227278.00		
To Establishment Exp.	9185.00		
To Exam. Exp.	340950.00		
To Inaugration Exp.	13352.00		
To Insurance Exp.	14836.00		
To Library Exp.	2125.00		
To Medical Exp.	10769.00		
To Meeting exp.	76233.00		
To Misclleneous Exp.	717582.00		
To Moter Vehicle Rent	9461.00		
To News Paper Exp.	4042.00		
To Office Exp.	68795.00		
To Parking Shed Exp.	39072.00		
To Petrol & Deisel Exp.	117935.00		
To Plantation	10000.00		
To Postage Exp.	68000.00		
To Printing	1203835.00		
To Rajyottsav Exp.	12000.00		
To Registration Exp.	1350.00		
To Rent	294034.00		
To Repair & Maintenance Exp.	152719.00		
To Salary Exp.	1931861.00		
To Security Exp.	196704.00		
To Stationary	240422.00		
To Steel Board	37672.00		
To Telephone Exp.	186028.00		
To Transport Exp.	30050.00		
To Travelling Exp	86063.00		
To Workshop Exp.	403564.00		
To Depreciation (Dep.Chart Att.)	419384.00		
Total	7690501.00	Total	7690501.00

Place: Bilaspur
Date:

The above statement is in agreement with the Books and vouchers presented before us.

for Pt. Sundar Lal Sharma (open) University

(Registrar)

Registrar
Pandit Sunderlal Sharma
(Open) University Chhattisgarh
BILASPUR(C.G.)

for L. K. Maheshwari & Co.
Chartered Accountants

(Ramendra Maheshwari)
Partner

NOTE: 1) BANK BALANCES ARE THE BALANCING FIGURES AS THE UNIVERSITY HAS NOT KEPT SEPARATE BANK ACCOUNTS FOR SEPARATE SOURCES OF GRANTS AND FEES.
2) BANK ACCOUNT ARE SUBJECT TO RECONCILIATION

Pt. SUNDAR LAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHATTISGARH

(GOVERNMENT OF CHATTISGARH GRANT ACCOUNT)

BALANCE-SHEET AS AT 31 ST MARCH 2007

FUNDS/LIABILITIES	Amount	ASSETS	Amount
Capital fund	6710113.00	Fixed Assets (As per Annexure)	2633696.00
Excess of Expenses over Income during the year as per income & Expenditure A/c.	4390501.00	Loan & Advances	6000.00
		Cash & Bank Balance	
		FDR Canara Bank	611100.00
		FDR Canara Bank	825050.00
Net Balance	2319612.00	FDR Allahabad Bank	800000.00
		FDR Allahabad Bank	800000.00
Capital Grant for Building Const	15080000.00		
		SBI (Comm. Branch)	11723766.00
	17399612.00		**17399612.00**

Place: Bilaspur
Date:

The above statement is in agreement with the Books and vouchers presented before us.

for Pt. Sundar Lal Sharma (open) University

(Registrar)

Registrar
Pandit Sunderlal Sharma
(Open) University Chhattisgarh
BILASPUR(C.G.)

for L. K. Maheshwari & Co.
Chartered Accountants

(Ramendra Maheshwari)
Partner

NOTE: 1) BANK BALANCES ARE THE BALANCING FIGURES AS THE UNIVERSITY HAS NOT KEPT SEPARATE BANK ACCOUNTS FOR SEPARATE SOURCES OF GRANTS AND FEES.
2) BANK ACCOUNT ARE SUBJECT TO RECONCILIATION

Pt. SUNDER LAL SHARMA (OPEN) UNIVERCITY
(GOVERNMENT OF CHATTISGARH) Bilaspur (C.G.)

Depreciation Schedule for the year ending on 31st March 2007

SL. Particulars	Rate of Depr.	Op.Balance	Purches During the year	Total	Depreciation	Written down Value
1 Air Conditioners	15%	100998.00	0.00	100998.00	15150.00	85848.00
2 Coffe Machine	15%	13707.00	0.00	13707.00	2056.00	11651.00
3 Computer	60%	82254.00	0.00	82254.00	49352.00	32902.00
4 Cycle	15%	1657.00	0.00	1657.00	249.00	1408.00
5 Furniture & Fixiture	10%	532178.00	130538.00	662716.00	66272.00	596444.00
6 Lamination Machine	15%	2048.00	0.00	2048.00	307.00	1741.00
7 Moter Car	15%	484734.00	0.00	484734.00	72710.00	412024.00
8 Offset Machine	15%	169164.00	563904.00	733068.00	109960.00	623108.00
9 Paper Cutting Machine	15%	382.00	0.00	382.00	57.00	325.00
10 Photo Copy Machine	15%	61880.00	189693.00	251573.00	25956.00	225617.00
11 Fax Machine	15%	8075.00	22937.00	31012.00	2932.00	28080.00
12 Eletrical Equipment	15%	44437.00	17567.00	62004.00	8546.00	53458.00
13 Anteena	15%	0.00	3500.00	3500.00	525.00	2975.00
14 Cooler	15%	0.00	80900.00	80900.00	12135.00	68765.00
15 Epabx Machine	15%	0.00	42400.00	42400.00	6360.00	36040.00
16 Handy Camera	15%	0.00	23800.00	23800.00	3570.00	20230.00
17 I Card Print Machine	15%	0.00	40092.00	40092.00	6014.00	34078.00
18 Locker	15%	0.00	4466.00	4466.00	670.00	3796.00
19 Perforating Machine	15%	0.00	4680.00	4680.00	702.00	3978.00
20 Soler Pump	15%	0.00	345000.00	345000.00	25875.00	319125.00
21 Sound System	15%	0.00	26049.00	26049.00	3907.00	22142.00
22 Stitching Machine	15%	0.00	7500.00	7500.00	563.00	6937.00
23 Water Cooler	15%	0.00	48540.00	48540.00	5516.00	43024.00
		1501514.00	1551566.00	3053080.00	419384.00	2633696.00

Place: Bilaspur
Date:

The above statement is in agreement with the Books and vouchers presented before us.

for Pt. Sundar Lal Sharma (open) University

(Registrar)

Registrar
Pandit Sunderlal Sharma
(Open) University Chhattisgarh
BILASPUR(C.G.)

for L. K. Maheshwari & Co.
Chartered Accountants

(Ramendra Maheshwari)
Partner

NOTE: 1) BANK BALANCES ARE THE BALANCING FIGURES AS THE UNIVERSITY HAS NOT KEPT SEPARATE BANK ACCOUNTS FOR SEPARATE SOURCES OF GRANTS AND FEES.
2) BANK ACCOUNT ARE SUBJECT TO RECONCILIATION